राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन के उदघाटन सत्र में दीप प्रज्वलित करते हुए राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, बीके शीलू बहन, बीके शुशांत एवं अतिथिगण। समारोह के दौरान बीके बच्चों ने आध्यात्मिक गीत और संगीत पर नृत्य प्रस्तुत किया।

सर्वसम्मति से तय किया गया कि जनसंचार; मास मीडिया सामाजिक परिवर्तन के लिए एक सशक्त माध्यम के साथ उत्प्रेरक का कार्य कर रहा है। साथ ही मीडियाकर्मियों को उनके समक्ष आ रही चुनौतियों का सामना कर सही दिशा में निर्णय लेने की आवश्यकता है।

वक्ताओं ने समाज एवं आमजन में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह पर बल देते हुए मीडिया को सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया और उम्मीद जताई कि समाज में बढ़ती हुई नकारात्मकता, विवाद, अपराध, भ्रष्टाचार, विकार, हिंसा की रोकथाम के लिए समाज में मीडियाकर्मियों को अपनी सकारात्मक एवं मूल्यनिष्ठ जीवन एवं कार्यप्रणाली के द्वारा पहल करनी होगी। साथ ही आंतरिक सशक्तिकरण के लिए मीडिया प्रोफेशनल्स को सत्य, न्याय, विश्वसनीयता, रचनात्मकता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी को निभाते हुए एवं आमजन की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करना होगा। समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए एवं मीडिया प्रोफेशनल्स के स्वयं में सकारात्मक परिवर्तन के लिए उन्हें स्वयं को आत्मिक रूप से मजबूती प्रदान कर आंतरिक विकास एवं अंतरात्मा की आवाज सुनकर सकारात्मक निर्णय लेने की आवश्यकता है। इसके लिए मीडिया प्रोफेशनल्स को स्वयं के आंतरिक परिवर्तन के लिए समय-समय पर योगाभ्यास करने की भी आवश्यकता है। मीडिया प्रभाग के प्रमुख बीके करुणा भाई ने उम्मीद जताई कि कॉफ्रेन्स में प्रतिभागियों के रूप में आये मीडिया प्रोफेशनल्स को यहां से जाकर अपने कार्यस्थल, मीडियाघरानों एवं संस्थाओं में ब्रह्माकुमारी प्रतिनिधियों को बुलाकर योगसत्रों के साथ इस प्रकार के आध्यात्मिक कार्यक्रमों, चर्चा, सेमिनार, वर्कशॉप आदि का आयोजन करना चाहिये। कार्यक्रम के संयोजक बीके शान्तनु भाई ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि मीडिया विंग की ओर से भारत एवं विश्वभर में सेवाकेन्द्रों के माध्यम से शाश्वत मूल्यों को स्थापित करने के लिए सकारात्मक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। तीन दिनों के विभिन्न सत्रों का संचालन बीके चंद्रकला, बीके चंदा, बीके योगिनी, बीके पूनम, बीके मंजू बहन एवं 'टॉक शो' का संचालन संस्थान की 'शिव आमंत्रण' पत्रिका के संपादक बीके कोमल भाई ने किया।